दैनिक भास्कर 14
इंदौर . मंगलवार: 19 नवंबर, 2013

इंदौर में अगले साल से शुरू होगी साइबर क्राइम फोरेंसिक लैब

पुलिस को मिलेगी मदद, यहीं हो सकेगी उपकरणों की जांच

विकाससिंह राठौर | इंदौर

प्रदेश की पहली साइबर क्राइम फोरेंसिक लैब इंदौर में बनेगी। संभवतः वर्ष 2014 के प्रारंभ में इसका काम शुरू हो जाएगा। इसके बनने से साइबर क्राइम में उपयोग होने वाले उपकरणों की जांच यहीं हो सकेगी। इससे पुलिस कम समय में ऐसे मामलों को हल कर पाएगी। फिलहाल पुलिस को दूसरे राज्यों की लैब की मदद लेना पड़ती है।

रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) के क्राइम फोरेंसिक लैब के प्रस्ताव पर कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ऑफ इंडिया (सर्ट-इन) ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। पांच करोड़ की लागत से यह लैब पीआरटीएस के वीआईपी रोड स्थित सेंटर में बनेगी। लैब का मूल उद्देश्य पुलिस संगठनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग देना है, लेकिन पुलिस की मदद के लिए यहां ऐसे मामलों की इन्वेस्टिगेशन भी होगी।

लैब को तेरेंतुला नाम दिया गया है, जो एक तरह की मकड़ी होती है। इसी नाम का एक सॉफ्टवेयर तकनीकी रूप से जटिल मोबाइल (चाइना मॉडल जैसे) से भी डाटा रिकवर करने के काम आता है। शेष | पेज 15 पर

इंदौर में...

इसलिए है जरूरी : साइबर क्राइम और आधुनिक तरीके से किए गए अपराधों में अकसर मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट का इस्तेमाल किया जाता है। अपराध की जानकारी मिलने पर पुलिस इन उपकरणों को जब्त तो कर लेती है, लेकिन इनमें से आवश्यक जानकारियां, अपराध के साक्ष्य जैसी चीजें नहीं निकाल पाती। क्योंकि ऐसा करने पर उपकरण खराब होने या इनसे छेड़छाड़ की स्थिति में अधिकारी खुद घिर जाते हैं। इनमें छिपी जानकारियां और साक्ष्य भी नष्ट होने का खतरा होता है। इसलिए अधिकारी उपकरण दूसरे राज्यों की साइबर क्राइम फोरेंसिक लैब में भेज देते हैं।

इंदौर में मिल सकेगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग : उल्लेखनीय है कि पीआरटीएस में साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन को लेकर राष्ट्रीय स्तर के ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किए जाते हैं। इसमें मध्यप्रदेश के साथ दूसरे राज्यों की पुलिस, केंद्रीय पुलिस संगठन और सेना के अधिकारी भी ट्रेनिंग लेते हैं। इस लैब के बनने से यहां ट्रेनिंग लेने वाले अधिकारियों को साइबर क्राइम और फोरेंसिक की अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी मिल सकेगी।

डायरेक्टर, पीआरटीएस और आईजी वरुण कपूर ने कहा- प्रदेश की पहली साइबर क्राइम फोरेंसिक लैब के लिए पीआरटीएस के प्रस्ताव को सर्ट-इन ने सैद्धांतिक मंजूरी दी है। जल्द ही औपचारिक मंजूरी मिलने पर काम शुरू होगा। इससे हमारे यहां बेहतर ट्रेनिंग दी जा सकेगी। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों की मांग पर हम जांच में मदद करेंगे।